



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालय प्रदर्शनकारी कला विभाग के डॉ. सतीश पावड़े को डि.लिट. (विद्यावाचस्पति) उपाधि
वर्धा, 07 अक्टूबर 2026 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर एवं प्रख्यात नाटककार, नाट्य निर्देशक, नाट्य समीक्षक तथा नाट्य प्रशिक्षक डॉ. सतीश पावड़े को साहित्य विद्या में उच्चतम शोध उपाधि डि.लिट. (विद्यावाचस्पति) प्रदान करने की घोषणा की गई है।



राजकुमारी इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, छत्तीसगढ़ के कला संकाय द्वारा यह घोषणा की गई है। डॉ. पावड़े विगत चार वर्षों से इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में “नाट्यशास्त्र का समाजशास्त्रीय अध्ययन एवं विश्लेषण” विषय पर शोधकार्य कर रहे थे। उनके शोध का केंद्र भारतीय नाट्यपरंपरा, नाट्यशास्त्र तथा उसके सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों का अध्ययन एवं विश्लेषण रहा है। उन्हें भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की रवीन्द्रनाथ टैगोर रिसर्च फेलोशिप तथा संगीत नाटक अकादमी की शोध परियोजना स्कॉलरशिप प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के अतिरिक्त कनाडा और श्रीलंका में भी नाट्यशास्त्र विषय पर व्याख्यान दिए हैं।

नाट्यलेखन, नाट्य आलोचना, चरित्र-लेखन, संपादन, अनुवाद एवं रूपांतरण की उनकी 28 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वे पूर्व में महाराष्ट्र राज्य के नाटक सेंसर बोर्ड के तीन बार सदस्य तथा राज्य शासन के ही मराठी विश्वकोश नाट्यज्ञानमंडल के दो बार सलाहकार एवं सदस्य भी रहे हैं।

वर्तमान में डॉ. पावड़े श्रीलंका की प्लेटो अकादेमी ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स तथा टाइम्स इंटरनेशनल अकादमी फॉर ग्रैजुएट स्टडीज के वरिष्ठ अकादमिक सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं। साथ ही वे संगीतसूर्य केशवराव भोसले सांस्कृतिक परिषद, भारत गणराज्य के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भी दायित्व निभा रहे हैं। उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों एवं सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उनका "नाट्यशास्त्र: परंपरा, प्रयोग आणि विमर्श" यह समीक्षा ग्रंथ का प्रकाशन अगले माह में अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज कर रहा है।

विशेष उल्लेखनीय है कि डॉ. सतीश पावड़े ने इससे पूर्व नागपुर विश्वविद्यालय से नाट्यकला विषय में ललित कला संकाय में प्रदर्शनकारी कला (नाट्यकला) की महाराष्ट्र की पहली शोध उपाधि (1996) प्राप्त की थी। डि.लिट. की प्रस्तावित उपाधि उनके दीर्घकालीन नाट्य-अध्ययन, शोध, लेखन एवं अकादमिक योगदान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

हिंदी विश्वविद्यालयातील प्रदर्शनकारी कला विभागाचे डॉ. सतीश पावड़े यांना डी.लिट. उपाधी
वर्धा, दि. ७: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील प्रदर्शनकारी कला विभागातील वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक तसेच प्रसिद्ध नाटककार, रंगदिग्दर्शक, नाट्यसमीक्षक, संशोधक आणि नाट्यप्रशिक्षक डॉ. सतीश पावड़े यांना साहित्य क्षेत्रातील सर्वोच्च संशोधन पदवी डी.लिट. (विद्यावाचस्पती) प्रदान करण्यात येणार असल्याची घोषणा करण्यात आली आहे. ही घोषणा छत्तीसगडमधील खैरागड येथील राजकुमारी इंदिरा कला संगीत विद्यापीठाच्या ललित कला विद्याशाखेने केली आहे.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

	महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) जनसंपर्क कार्यालय PUBLIC RELATIONS OFFICE	
---	---	---

गेल्या चार वर्षांपासून डॉ. पावडे इंदिरा कला संगीत विद्यापीठात “नाट्यशास्त्राचा समाजशास्त्रीय अभ्यास आणि विश्लेषण” या विषयावर संशोधन करीत होते. त्यांच्या संशोधनाचा केंद्रबिंदू भारतीय नाट्यपरंपरा, नाट्यशास्त्र आणि त्याच्या सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भाचा अभ्यास व विश्लेषण हा आहे.

डॉ. सतीश पावडे हे देशातील ख्यातनाम रंगकर्मी, नाट्यविचारवंत आणि संशोधकांपैकी एक आहेत. त्यांना भारत सरकारच्या संस्कृति मंत्रालयाची रवींद्रनाथ टागोर राष्ट्रीय फेलोशिप तसेच संगीत नाटक अकादमीची शोध प्रकल्प शिष्यवृत्ती प्राप्त झाली आहे. देशभरातील विविध विद्यापीठे आणि शैक्षणिक संस्थांमध्ये व्याख्याने देण्याबरोबरच त्यांनी कॅनडा आणि श्रीलंका येथेही नाट्यशास्त्रावर त्यांनी व्याख्याने दिली आहेत. त्यांचे " नाट्यशास्त्र: परंपरा, प्रयोग आणि विमर्श" हा समीक्षा ग्रंथ पुढील महिन्यात अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज करीत आहे.

नाटकलेखन, नाट्यसमीक्षा, चरित्रलेखन, संपादन, अनुवाद आणि रूपांतर या क्षेत्रांत त्यांनी २८ पुस्तके प्रकाशित झाली आहेत. यापूर्वी त्यांनी महाराष्ट्र राज्य नाटक सेन्सॉर मंडळाचे तीन वेळा सदस्य तसेच विश्वकोश नाट्यज्ञान मंडळाचे दोनदा सल्लागार आणि सदस्य म्हणून काम केले आहे.

सध्या डॉ. पावडे श्रीलंकेतील प्लेटो अकादमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स आणि टाइम्स इंटरनॅशनल अकादमी फॉर ग्रॅज्युएट स्टडीज येथे वरिष्ठ शैक्षणिक सल्लागार म्हणून कार्यरत आहेत. तसेच ते संगीतसूर्य केशवराव भोसले सांस्कृतिक परिषद, प्रजासत्ताक भारत या संस्थेचे आंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष म्हणूनही कार्यरत आहेत. त्यांना राष्ट्रीय आणि आंतरराष्ट्रीय स्तरावर अनेक पुरस्कार व सन्मान प्राप्त झाले आहेत.

विशेष उल्लेखनीय बाब म्हणजे डॉ. सतीश पावडे यांनी यापूर्वी १९९६ मध्ये नागपूर विद्यापीठातून नाट्य विषयक महाराष्ट्राची पहिली परफॉर्मिंग आर्ट्स विषयातील संशोधन पदवी प्राप्त केली होती. प्रस्तावित डी.लिट. पदवी ही त्यांची नाट्यअभ्यास, संशोधन, लेखन, समीक्षा आणि शैक्षणिक क्षेत्रातील त्यांच्या दीर्घकालीन योगदानाची दखल घेणारी महत्त्वपूर्ण कामगिरी ठरणार आहे.

Conferment of the D.Litt. (Vidyavachaspati) Degree upon Dr. Satish Pawade

Wardha, October 7: It has been announced that Dr. Satish Pawade, Senior Assistant Professor in the Department of performing Arts at Mahatma Gandhi International Hindi University, Wardha, and a renowned playwright, theatre director, theatre critic, researcher, and theatre trainer, will be conferred the highest research degree in the field of literature, the D.Litt. (Vidyavachaspati). The announcement was made by the Faculty of Theatre Arts of Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya, Khairagarh, Chhattisgarh.

For the past four years, Dr. Pawade has been conducting research at Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya on the topic “A Sociological Study and Analysis of Bhartas Natyashastra.” His research focuses on the study and analysis of Indian theatrical traditions, Natyashastra, and its socio-cultural contexts.

Dr. Satish Pawade is one of the country's renowned theatre practitioners, theatre thinkers, and researchers. He has received the Culture Ministry Government of India's Prestigious Rabindranath Tagore Fellowship as well as the Sangeet Natak Akademi Research Scholarship. In addition to delivering lectures

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

 ज्ञान शांति मैत्री	महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) जनसंपर्क कार्यालय PUBLIC RELATIONS OFFICE	 आज़ादी का अमृत महोत्सव
---	---	---

at various universities and academic institutions across the country, he has also lectured on Natyashastra in Canada and Sri Lanka.

He has published 28 books in the fields of playwriting, theatre criticism, character writing, editing, translation, and adaptation. Earlier, His critical work, Natyashastra: Tradition, Practice and Discourse, is scheduled to be published next month by Anamika Prakashan, Prayagraj. he served as a member of the Maharashtra States Theatre Censor Board and as an adviser and member of the Vishwakosh Natya Gyanmandal.

At present, Dr. Pawade is serving as a Senior Academic Adviser at the Plato Academy of Performing Arts and Times International Academy for Graduate Studies in Sri Lanka. He is also serving as the International President of the Sangeet Surya Keshavrao Bhosale Cultural Council, Republic of India. He has received numerous awards and honours at the national and international levels.

It is particularly noteworthy that Dr. Satish Pawade had earlier obtained Maharashtra's first research degree in Performing Arts in the field of theatre from Nagpur University in 1996. The proposed D.Litt. degree will be a significant achievement recognising his long-standing contribution to theatre studies, research, writing, and the academic field.